|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1 | Nama Kursus | **TAKHRIJ AL-HADITH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2 | Kod Kursus | AQS2253 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3 | Nama Staf Akademik | NAMA : MARIYAH BT ISHAK  KELULUSAN & UNIVERSITI : Ijazah Sarjana Muda  Pengajian Al-Quran & Sunnah  Universiti Islam Antarabangsa Malaysia  TAHUN BERGRADUAT : 2006 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4 | Rasional kursus dimasukkan dalam program ini | Merupakan kursus asas bagi membolehkan pelajar menilai dan membezakan hadis berdasarkan kriteria serta mengetahui punca hadis yang tertolak. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5 | Semester dan tahun ditawarkan | SEMESTER 5 / TAHUN 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6. | Jumlah masa belajar pelajar (SLT)  K: Kuliah  SCA : Aktiviti berasaskan pelajar  P: Praktikal  L: Lain-lain | Secara Bersemuka/Bimbingan | | | | | | | | | | | | Pembelajaran Kendiri | | | | | | | | | | Jumlah Pembelajaran Secara Bimbingan Dan Kendiri (SLT) | | | | | | | |
| K | | SCA | | | P | | | L | | | |
| 28 | | 28 | | |  | | | 8 | | | | 56 | | | | | | | | | | 120 | | | | | | | |
| 7 | Nilai Kredit | 3  2 jam kuliah ( 2 jam kontak x 14 minggu) = 28  2 jam SCA (2 jam kontak x 14 minggu) = 28  **JUMLAH = 56** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 8 | Pra Syarat | Tiada | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9 | Objektif Kursus | 1.Dapat mengetahui darjat hadis dari segi soheh hasan daif dan palsu  2.Dapat mengenal pasti dan mengeluarkan sumber asal hadis  3.dapat mengetahui dan mengenal pasti sanad hadis sama ada itisal sanad marfu’ mauquf maqtu’ dan sebagainya  : | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10 | Hasil Pembelajaran (CLO) | Selepas menamatkan kursus ini, pelajar sepatutnya boleh:- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **No** | | | **Hasil Pembelajaran (CLO)** | | | | | | | | **Hasil Pembelajaran Program (PLO)** | | | | | | **Taksonomi dan Kemahiran Generik** | | | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | | |
| 1 | | | Pengenalan *Takhrij* | | | | | | | | Plo 1 | | | | | | C2 | | | | | | | | Kuiz, Ujian, Tugasan, Peperiksaan Akhir | | | | |
| 2 | | | Kaedah dan cara mentakhrijkan Hadis  - Pentakhrijjan Hadis Berdasarkan *Isnad*  - pentakhrijan hadis berdasarkan awal lafaz pada matan hadis.  -Pentakrijan hadis berdasarkan mengenalpasti satu kalimah atau lafaz pada matan hadis. | | | | | | | | Pl01, plo7, plo8 | | | | | | C1,c2,c,3 | | | | | | | |
| 3 | | | Pentakhrijan berdasarkan kepada tajuk dan kandungan hadis | | | | | | | | Plo1 | | | | | | C1,c2,c3 | | | | | | | |
| 4 | | | Pentakhrijan berdasarkan keadaan *Sanad* dan *Matan* | | | | | | | | Plo1 | | | | | | C1,c2,c3 | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11 | Pemindahan Kemahiran | **Kemahiran Yang Dibangunkan** | | | | | | | | | **Kaedah Penilaian** | | | | | | | | | | | **Bentuk Penilaian** | | | | | | | | | |
| Menganalisa dan penyelesaian masalah dalam menentukan status sesuatu hadis | | | | | | | | | Ujian, latihan, tugasan, projek berkumpulan, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | | |
| Pengurusan masa | | | | | | | | | Menyelesaikan masalah | | | | | | | | | | | Individu& berkumpulan | | | | | | | | | |
| Kerja berpasukan | | | | | | | | | Projek berkumpulan | | | | | | | | | | | Berkumpulan | | | | | | | | | |
| Komunikasi | | | | | | | | | Tugasan, projek berkumpulan | | | | | | | | | | | Berkumpulan | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | Soal jawab, perbentangan | | | | | | | | | | | Individu & berkumpulan | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 12 | Pengajaran-Pembelajaran (PnP) dan Strategi Penilaian | **Pembelajaran & Pengajaran** | | | | | | | | | **Strategi Penilaian** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Kuliah | | | | | | | | | Soal-jawab, latihan, kuiz, ujian, peperiksaan akhir | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Tutorial/SCL/Pembelajaran Aktif | | | | | | | | | Soal-jawab dan perbincangan | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Skil Praktikal | | | | | | | | | Pembahagian tugas, kerjasama ahli, penyampaian, kandungan | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 13 | Sinopsis | Pelajaran ini mengandungi pengenalan tentang ilmu *takhrij*, merangkumi definisi, perkembangan, kepentingan dan faedah mempelajarinya, perbezaan di antara *al-takhrij* dan *al-‘Azwu* seterusnya cara-cara yang digunakan dalam mentakhrijkan hadis melalui teori dan praktikal | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 14 | Mod Penyampaian | Kuliah, perbincangan, latihan, tugasan, soal jawab, pertemuan bersemuka dalam kelas | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | Jenis Dan kaedah Penilaian | Penilaian dibuat melalui Markah Kerja Kursus dan Peperiksaan Akhir.  Markah Kerja Kursus dinilai sepanjang semester melalui ujian, kuiz, perbentangan dan projek akhir manakala peperiksaan akhir dibuat secara formal di akhir semester dan dikendalikan oleh Unit atau Jawatankuasa Peperiksaan yang dilantik. Pecahan markah bagi kerja kursus dan peperiksaan akhir adalah seperti berikut:-   |  |  | | --- | --- | | **MARKAH KERJA KURSUS:-**  Kertas Kerja  Pembentangan  Ujian | **50%**  20%  10%  20% | | **PEPERIKSAAN AKHIR** | **50%** | | **JUMLAH** | **100%** |   Kriteria prestasi penilaian summatif: Rujuk buku Peraturan Akademik Program Diploma KTD. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | Pemetaan Kursus Kepada Objektif Program (PEO) |  | PEO1 | | | | | PEO2 | | | | | | | *PEO3* | | | | | PEO4 | | | | | | | | PEO5 | | | |
| CO1 | ✓ | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | |
| CO2 | ✓ | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | |
| CO3 | ✓ | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | |
| CO4 | ✓ | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | |
|  |  | | | | |  | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | | |  | | | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 17 | Pemetaan Kursus Kepada Hasil Pembelajaran Program (PLO) |  | PLO1 | | | PLO2 | | | PLO3 | | | PLO4 | | | | PLO5 | | PLO6 | | | | | PLO7 | | | PLO8 | | | | PLO9 | |
| CO1 | ✓ | | |  | | |  | | |  | | | |  | |  | | | | |  | | |  | | | |  | |
| CO2 | ✓ | | |  | | |  | | |  | | | |  | |  | | | | | ✓ | | | ✓ | | | |  | |
| CO3 | ✓ | | |  | | |  | | |  | | | |  | |  | | | | |  | | |  | | | |  | |
| CO4 | ✓ | | |  | | |  | | |  | | | |  | |  | | | | |  | | |  | | | |  | |
|  |  | | |  | | |  | | |  | | | |  | |  | | | | |  | | |  | | | |  | |
|  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18 | Kandungan Kursus dan SLT  K: Kuliah  *SCA*: Tutorial/Praktikal  A : Lain-lain  PK: Pembelajaran kendiri  M: Minggu pembelajaran | **M** | **TAJUK** | | | | | | | | | | | | | | **K** | | | | ***SCA*** | | | | **A** | | | | **PK** | | **SLT** |
| 1-2 | Pengenalan Takhrij   * Makna Takhrij dari segi bahasa dan istilah * Perbezaan antara al- Takhrij dan al-‘Azw * Kepentingan al-Takhrij * Perkembangan ilmu al-Takhrij | | | | | | | | | | | | | | 4 | | | | 4 | | | | 2 | | | | 8 | | 18 |
| 3-6 | Kaedah dan cara mentakhrijkan Hadis   * Pentakhrijjan Hadis Berdasarkan Isnad,   Berdasarkan awal lafaz pada matan hadis dan mengenalpasti seseutau lafaz atau kalimah dalam matan hadis   * Pengenalan * Kitab-kitab yang digunakan * Kelebihan dan kekurangan penggunaan kitab-kitab tersebut | | | | | | | | | | | | | | 8 | | | | 8 | | | | 2 | | | | 16 | | 34 |
| 7-10 | * Pentakhrijan berdasarkan kepada topik dan kandungan hadis * Pengenalan * Kitab-kitab yang digunakan * Kelebihan dan kekurangan penggunaan kitab-kitab | | | | | | | | | | | | | | 8 | | | | 8 | | | | 2 | | | | 16 | | 34 |
| 11-14 | * Pentakhrijan berdasarkan keadaan Sanad dan Matan * Pengenalan * Kitab-kitab yang digunakan * Kelebihan dan kekurangan penggunaan kitab-kitab | | | | | | | | | | | | | | 8 | | | | 8 | | | | 2 | | | | 16 | | 34 |
|  | JUMLAH | | | | | | | | | | | | | | 28 | | | | 28 | | | | 8 | | | | 56 | | 120 |
|  |  | | | | | | | | | | | | | |  | | | |  | | | |  | | | |  | |  |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19 | Rujukan | Rujukan Utama:   1. Qawaid takhrij al-hadis .Mohd Khafidz Bin Soroni Kolej Universiti Islam Antarabangsa Selangaor (2012) 2. Al-wadhih fi fannu Al-Thakrij Wa Dirastu Al-asanid DrSultan Sanad Al-Akalah, Dr. Umar sulaiman makhal, Dr Muhammad Aid Sohib, Syekh Muhamad Abu So’alaik. 3. Turuq Takhrij Al-hadis AS-syekh Saad Bin Abdullah al-Hamid (2000) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20 | Maklumat Tambahan | Rujukan Tambahan   1. Dr. Abd al-Samad Ibn Bakr Ibn Ibrahim. (t.t). *Al-Madkhal ila Takhrij al-Ahadith wa al-Athar wa al-Hukm ‘alayha*. Madinah : Maktabah al-Sahabah 2. A.J. Wensinck. (1986). *Mu`jam al-Mufahras li Alfaz al-Hadith al-Nabawi*. Beirut : Dar al-Ma`rifah 3. Abd al-Mahdi bin Abd al-Qadir bin Abd al-Hadi (Dr.). (1987). *Turuq Takhrij Hadith Rasulillah S.A.W*. Kaherah : Dar al-I`tisam | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |